सतरी संगत म्हाने दीजो रे गुरूजी भजन लिरिक्स

सतरी संगत म्हाने दीजो रे गुरूजी,

दोहा – संत हमारी आत्मा,
ने मै संतन की देह,
रोम रोम में रमरया,
प्रभु ज्यु बादल मे मेष।

सतरी संगत म्हाने दीजो रे गुरूजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी,
बार बार म्हारी आ है विनती,
आ किरपा कर दीजो जी,
सतरी संगत म्हानें दीजो गुरूजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी।bd।

सतरी संगत मे ब्रह्म जावे,
बडा बडा ऋषि राही जी,
सतरी संगत मे ब्रह्म जावे,
बडा बडा ऋषि राही जी,
अरे जो सुख है सतरी संगत मे,
वो सुख स्वर्गा नाही जी,
जो सुख है सतरी संगत मे,
वो सुख स्वर्गा नाही जी।
सतरी संगत म्हानें दीजो गुरूजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी।bd।

माता साध पिता मेरा साधु,
साधो रे बीच डोलु जी,
माता साध पिता मेरा साधु,
साधो रे बीच डोलु जी,
भोजन भाव करूँ साधो संग,
साधो रे मुख बोलु जी,
भोजन भाव करू साधो संग,
साधो रे मुख बोलु जी,
सतरी संगत म्हानें दीजो गुरूजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सदा आनंद मे झुलु जी,
आनंद रूप सदा मन व्यापे,
सदा आनंद मे झुलु जी,
अरे पल पल करू विनती थाने,
नाम घडी नही भूलू जी,
पल पल करू विनती थाने,
नाम घडी नही भूलू जी,
सतरी संगत म्हानें दीजो गुरूजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी।bd।

निर्मल नैन वेन ज्यारा,
निर्मल निर्मल सारा अंगा रे,
निर्मल नैन वेन ज्यारा,
निर्मल निर्मल सारा अंगा रे,
अरे सूर कहे किरपा कर दीजो,
उन संतो रा संगा जी,
सूर कहे किरपा कर दीजो,
उन संतो रा संगा जी,
सतरी संगत म्हानें दीजो गुरूजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी।bd।

सतरी संगत म्हाने दीजो रे गुरूजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी,
बार बार म्हारी आ है विनती,
आ किरपा कर दीजो जी,
सतरी संगत म्हानें दीजो गुरूजी,
साध संगत म्हाने दीजो जी।bd।

प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com